लोक सभा सचिवालय को समर्पण और प्रतिबद्धता का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनाने की दिशा में सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों की निष्ठा और कड़ी मेहनत अत्यंत सराहनीय हैं: लोक सभा अध्यक्ष

…

जनप्रतिनिधियों के रूप में सांसद नागरिकों की जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास करते हैं: लोक सभा अध्यक्ष

…

बदलते परिप्रेक्ष्य में सदनों की कार्य पद्धतियों में व्यापक बदलाव आए हैं और टेक्नोलॉजी ने सचिवालय की कार्य शैली को पूरी तरह से बदल दिया है: लोक सभा अध्यक्ष

…

सचिवालय समय के साथ चलते हुए नवीनतम तकनीकों के लिए स्वयं को तैयार रखें जिसके लिए नियमित प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और सीखते रहने की इच्छा बहुत जरूरी है: लोक सभा अध्यक्ष

…

हाल के वर्षों में ई -ऑफिस, सदस्य पोर्टल, डिजिटल संसद, डिजिटल लाइब्रेरी, दस्तावेजों के डिजिटलीकरण, संसदीय कार्यक्रमों की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग किया जाना, सोशल मीडिया में बढ़ती उपस्थिति और चिंतन शिविर जैसे कई नए प्रयास किए गए हैं : लोक सभा अध्यक्ष

…

लोक सभा अध्यक्ष ने लोक सभा सचिवालय की स्थापना की 95वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में संसद भवन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता की

…

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 2024: लोक सभा सचिवालय की स्थापना की 95वीं वर्षगांठ पर संसद भवन में आयोजित एक कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि सचिवालय को समर्पण और प्रतिबद्धता का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनाने की दिशा में यहाँ के अधिकारियों और कर्मचारियों की निष्ठा और कड़ी मेहनत अत्यंत सराहनीय हैं। यह कहते हुए कि सभी

अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोक सभा सचिवालय को दक्षता और योग्यता के साथ अपनी सेवाएं दी हैं, अध्यक्ष महोदय ने विश्वास व्यक्त किया कि सचिवालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी इसी प्रकार भविष्य में भी अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देते रहेंगे।

यह विचार व्यक्त करते हुए कि संसद जनता के प्रतिनिधियों की सबसे बड़ी सभा है, श्री बिरला ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के रूप में सांसद नागरिकों की समस्याओं को दूर करने, जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने और उनकी सामाजिक आर्थिक समस्याओं को दूर करने के लिए अथक प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में सचिवालय के कर्मियों की महती भूमिका है। इस बात का उल्लेख करते हुए कि बदलते परिप्रेक्ष्य में सदनों की कार्य पद्धतियों में व्यापक बदलाव आए हैं और टेक्नोलॉजी ने हमारी कार्य शैली को पूरी तरह से बदल दिया है, श्री बिरला ने सुझाव दिया कि यह जरूरी है कि हम समय के साथ चलते हुए नवीनतम तकनीकों के लिए स्वयं को तैयार रखें। इसके लिए नियमित प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और सीखते रहने की इच्छा रखने बहुत जरूरी है।

उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि किस प्रकार सचिवालय के कर्मियों ने महामारी के दौरान भी समर्पित होकर काम किया। पी-20 सम्मेलन की सफलता में उनके परिश्रम का बड़ा योगदान रहा। साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग से संविधान सदन से नए संसद भवन में स्थानांतरण का काम भी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

अपने कार्यकाल के दौरान लोक सभा सचिवालय में कार्यकुशलता और मितव्ययिता को बढ़ावा देने के लिए किये गए परिवर्तनों का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कहा कि इस अवधि में बहुत सी नई पहलें भी हुई हैं और कामकाज में प्रौद्योगिकी का उपयोग निरंतर बढ़ा है। उन्होंने उल्लेख किया कि ई -ऑफिस, सदस्य पोर्टल, डिजिटल संसद, डिजिटल लाइब्रेरी, दस्तावेजों के डिजिटलीकरण, संसदीय कार्यक्रमों की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग किया जाना, सोशल मीडिया में बढ़ती उपस्थिति और चिंतन शिविर जैसे कई नए प्रयास किए गए। श्री बिरला ने यह आशा भी व्यक्त की कि अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पण और प्रतिबद्धता से लोक सभा की प्रगति और उन्नति होती रहेगी।

अध्यक्ष महोदय ने कार्यक्षेत्र और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित करने के साथ ही उनके बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।